सलखन जीवाश्म पार्क

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के सलखन जीवाश्म पार्क, जिसे सोनभद्र जीवाश्म पार्क के नाम से भी जाना जाता है, को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों **की संभावित सूची** में शामिल किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **सलखन जीवाश्म पार्क के बारे में:**
  - उत्तर प्रदेश के **सोनभद्र** ज़िले के **सलखन गाँव** में स्थित यह पार्क कैमूर वन्यजीव अभयारण्य से सटे सुंदर कैमूर रेंज के भीतर **25 हेक्टेयर** क्षेत्र में फैला हुआ है।
  - यद्यपि इस स्थल में भूवैज्ञानिक रुचि **1930** के दशक से रही है, फिर भी इसे आधिकारिक रूप से वर्ष **2002** में जीवाश्म पार्क घोषित किया गया।
  - सलखन जीवाश्म पार्क में **स्ट्रोमैटोलाइट्स** को संरक्षित किया गया है, जो प्राचीन साइनोबैक्टीरिया (नीली-हरित शैवाल) द्वारा निर्मित दुर्लभ स्तरित अवसादी संरचनाएँ हैं।
    - लगभग **3.5 अरब वर्ष** पूर्व उत्पन्न हुए सायनोबैक्टीरिया संभवतः **ऑक्सीजनिक प्रकाश संश्लेषण** करने वाले प्रथम जीव थे, जिनके कारण महान ऑक्सीकरण घटना (लगभग **2.4 अरब वर्ष पूर्व**) घटित हुई, जिसने पृथ्वी के वायुमंडल को **ऑक्सीजन** से समृद्ध किया जिससे जटिल जीवन संभव हो सका।
  - ये प्रकाश संश्लेषण करने वाले **सूक्ष्मजीव मेसोप्रोटेरोज़ोइक युग** (1.6–1.0 **बिलियन वर्ष** पूर्व) के हैं, जिससे इनके जीवाश्म **1.4 बिलियन वर्ष** पुराने माने जाते हैं।
  - इस प्रकार की संरचनाएँ **विश्व स्तर पर अत्यंत दुर्लभ** हैं, जो **सलखन** को दुनिया के **सबसे प्राचीन जीवाश्म स्थलों** में से एक बनाती हैं, जो **शार्क बे (ऑस्ट्रेलिया)** तथा **येलोस्टोन (अमेरिका)** से भी पुराना है।
- **वैज्ञानिक मान्यताओं को चुनौती देना:**
  - **सलखन** में हुई खोजों ने प्रारंभिक जीवन की वैज्ञानिक समझ को बदल दिया है।
  - पहले वैज्ञानिकों का मानना था कि जीवन लगभग **570 मिलियन वर्ष** पूर्व आरंभ हुआ था, लेकिन यहाँ पाए गए प्राचीन **स्ट्रोमैटोलाइट्स** उस काल से भी पहले के हैं।
  - इस वैज्ञानिक अवलोकन में एक महत्त्वपूर्ण प्रगति **यूपी इको-पर्यटन विकास बोर्ड** तथा बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान, लखनऊ के बीच हुए **समझौता ज्ञापन (MoU)** के माध्यम से हुई।
  - ये **जीवाश्म** पृथ्वी के प्रारंभिक जैवमंडल और महासागरीय पारिस्थितिकी तंत्र के विकास से संबंधित महत्त्वपूर्ण सुराग प्रदान करते हैं।

विश्व धरोहर स्थल (WHS)

- **विश्व धरोहर स्थल (WHS)** वे स्थान हैं, जिन्हें **मानवता के लिये उनके उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य** के लिये मान्यता प्राप्त है और उन्हें भावी पीढ़ियों के लिये सुरक्षा और संरक्षण हेतु **विश्व धरोहर सूची** में अंकित किया गया है।
  - इन स्थलों की प्रकृति **सांस्कृतिक, प्राकृतिक अथवा मिश्रित** हो सकती है। **WHS को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972** के तहत संरक्षित किया जाता है, जो **UNESCO के सदस्य देशों** द्वारा अपनाया गया एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
  - यह अभिसमय ऐसे स्थलों की पहचान, सुरक्षा और परिरक्षण में **राष्ट्र पक्षकारों** की ज़िम्मेदारियों को रेखांकित करता है।
  - विश्व धरोहर स्थलों की सूची का अनुरक्षण अंतर्राष्ट्रीय **'विश्व धरोहर कार्यक्रम'** द्वारा किया जाता है, जिसका विनियमन **UNESCO विश्व धरोहर समिति** द्वारा किया जाता है।
  - भारत ने वर्ष 1977 में इस अभिसमय का अनुसमर्थन किया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/salkhan-fossil-park